सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
7421	26.05.2023	29.05.2023	Rohtas Bihar	www.jagran.com/Hindi https://www.jagran.com/bihar/rohtas-children-death-in-rohtas-villagers-fell-sick-due-to-vomiting-diarrhea-23423775.html
Title:	**Several villagers including children fell sick due to diarrhoea in Rohtas, Bihar**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU- Rohtas, SSU- Bihar			

संझौली के सोनी गांव में एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई। जबकि एक भाई और बहन की हालत नाजुक बनी हुई हैं। मासूमों की मां की भी हालत चिंताजनक है।

सोनी गांव में 12 से अधिक ग्रामीण भी बीमार हैं। गांव में अचानक हो रही मौत से लोगों में दहशत कायम है। वहीं, आशंका जताई जा रही है कि लोग डायरिया की वजह से बीमार पड़ रहे हैं।

ग्रामीणों बताया कि दोपहर में बीडीओ सरफराजूदिन के निर्देश पर पहुंची मेडिकल टीम ने दोनों बीमार बच्चों को अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज भेजवाया। वहीं, बीमार ग्रामीणों का इलाज संझौली और बिक्रमगंज के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

इधर, गांव में पहुंची मेडिकल की टीम इसे डायरिया बता रही है। गांव के बच्चे अधिक बीमार हो रहे हैं। सबसे अधिक मासूमों को ही उल्टी और दस्त की शिकायत है।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921
twitter https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

ग्रामीणों ने बताया कि 24 मई को दोपहर अचानक नागेंद्र सिंह के 10 साल के बच्चे की तबियत बिगड़ गई। उल्टी और दस्त होने के कारण मासूम की मौत हो गई। वहीं, 25 मई को नागेंद्र की दो साल की बेटी सोना भी चल बसी।

मृतक सोनी का जुड़वा भाई शिवशंकर और चार साल की खुशी को भी दस्त की शिकायत है। ग्रामीणों ने चंदा इक्कठा कर दोनों बच्चों को अस्पताल भेजवाया लेकिन अब भी उनकी हालत में कोई सुधार नहीं है।

पीएचसी के प्रभारी डॉ सुधीर कुमार, डॉ सागर कुमार के साथ पहुंची मेडिकल टीम बीमार बच्चों का इलाज कर रही है। सिविल सर्जन सीएस केन तिवारी के निर्देश पहुंची मेडिकल टीम ने बीमार बच्चों का प्राथमिक इलाज करा उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज में रेफर किया।

गांव के दूसरे परिवार के बिक्रमा सिंह का 12 साल का बेटा अंकुश और आठ साल का मंकुश, 50 साल की राम कुमारी देवी, प्रदीप कुमार, चार साल की वर्षा कुमारी, शिववर्ती देवी सहित एक दर्जन लोग को तबीयत बिगड़ गई है।

घर जाकर जांच कर रही मेडिकल टीम

सभी का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। मेडिकल टीम ने उल्टी-दस्त से ग्रसित अन्य लोगों के घर भी जाकर जांच की। मेडिकल टीम के डॉ. सागर ने बताया कि प्रथम दृश्यता मासूमों के मौत का कारण डायरिया प्रतीत हो रहा है।

पैसा होता तो समय पर होता इलाज

ग्रामीण बताते हैं कि पैसों की कमी नागेंद्र के मासूमों की मौत पर भारी पड़ी। पैसा होता तो समय से इलाज हो गया होता। परिजनों ने बताया कि बच्चों की मां की हालत भी नाजुक बनी हुई हैं। वाराणसी के डॉक्टर कह रहें हैं कि स्थिति काफी खराब है।